

# 1857 की क्रांति

6 जून 1857 को  
रानी लक्ष्मीबाई  
विद्रोह को आरंभ किया।  
रानी लक्ष्मीबाई  
को सेना में हुआ।

जून 1857 में  
जमींदार कुँवर  
सिंह ने विद्रोह को  
महत्व प्रदान किया।

5 जून 1857 को  
कानपुर में विद्रोह की  
शुरुआत हुई। इस विद्रोह  
का नेतृत्व नाना साहेब ने  
किया।

10 मई 1857 को मेरठ में  
सिपाही बाग़ी की पहिल  
सैन्य टुकड़ी ने विद्रोह  
आरंभ कर दिया। शीघ्र  
ही अफ़्ग़ानों के सैन्य  
हैती में आने का  
सिपाहियों का  
विद्रोह

11 मई 1857 को मेरठ  
के सिपाही सिपाहियों  
द्वारा विद्रोह की  
वसूली बहादुर शाह  
जफ़र की है ही  
शायी।

रामगढ़ की रानी  
अम्बिकाबाई ने  
1857 में अंग्रेजों  
के खिलाफ़  
विद्रोह आरंभ  
किया।



सिपाहियों का  
विद्रोह



रानी लक्ष्मीबाई



कुँवर सिंह



नाना साहेब



बेगम हजरत महल



मंगल पाण्डे

अवध की रामबायी  
अखनज की क्रांति  
की बाग़ी बेगम  
हजरत महल ने 4  
जून 1857 को संभाली।

29 मार्च 1857 को बंगाल  
बाग़ी के सिपाही मंगल  
पाण्डे ने बर्हीबुज कारतूस  
के विरोध में सिपाहियों  
के साथ मिलकर विद्रोह  
किया।



बहादुर शाह  
जफ़र



रानी अम्बिकाबाई

महाराष्ट्र